

**The Deputy Minister of Railways and Transport (Shri Alagesan) :** (a) A request was received in May, 1953.

(b) Investigations revealed, however that there was no justification for a station at the proposed site, which is within 1½ miles from the existing Saharsa Railway Station. The request was, therefore, not complied with.

### भंडारा रेलवे स्टेशन

५००. श्रीमती अनुसूयाबाई बोरकर : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उन्होंने भंडारा के निवासियों को यह आश्वासन दिया था कि भंडारा में एक रेलवे स्टेशन का निर्माण दूसरी पंचवर्षीय योजना में सम्मिलित किया जायेगा; और

(ख) यदि हां, तो इस मामले में क्या निर्णय किया गया ?

**रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री अलगेसन) :** (क) इस तरह का कोई भरोसा नहीं दिया गया है। केवल इतना ही कहा गया कि दूसरी पंचवर्षीय योजना में रेलवे लाइनें बनाने के सवाल पर जब विचार किया जायगा तो दूसरे सुझावों के साथ इस पर भी विचार किया जायगा।

(ख) दूसरी पंचवर्षीय योजना का ब्योरा अभी तैयार नहीं है।

### कुही रेलवे स्टेशन

५०१. श्रीमती अनुसूयाबाई बोरकर : क्या रेलवे मंत्री २६ नवम्बर, १९५४ को को दिये गये अतारंकित प्रश्न संख्या ४१७ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या कुही क्षेत्र के लोगों ने तब से, कुही रेलवे स्टेशन पर एक प्रतीक्षालय बनाने के लिये प्रार्थनापत्र दिया है; और

(ख) यदि हां, तो इस विषय में सरकार द्वारा क्या निर्णय किया गया है ?

**रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री अलगेसन) :** (क) कुही के लोगों की तरफ से रेलवे को इस तरह का कोई प्रार्थनापत्र अभी तक नहीं मिला है।

(ख) सवाल नहीं उठता।

### केन्द्रीय ट्रेक्टर संगठन

५०२. श्री नवल प्रभाकर : क्या खाद्य और कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय ट्रेक्टर संगठन में क्षेत्रीय (फील्ड) कार्य करने वाले श्रमिकों में से १९४७ से १९५४ के बीच दुर्घटनाओं के कारण कितने घायल हुये और कितने मर गये ; और

(ख) उन्हें क्षतिपूर्ति के रूप में क्या राशि दी गई ?

**खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री ए० पी० जैन) :** (क) केन्द्रीय ट्रेक्टर संगठन में क्षेत्रीय (फील्ड) कार्य करने वाले श्रमिकों में से, १९४७ से १९५४ के बीच दुर्घटनाओं के कारण ६६ घायल हुये और १० मर गये।

(ख) घायल श्रमिकों में से, ६३ किसी भी प्रकार की क्षतिपूर्ति के हकदार नहीं थे। शेष ६ श्रमिकों को १८८४-१२-० रुपये क्षतिपूर्ति के रूप में दिये गये। जो १० श्रमिक मर गये, उनके आश्रित व्यक्तियों को २६,६६०-०-० रुपये क्षतिपूर्ति के रूप में दिये गये।

### Train Service

503. Shri . . . Tripathi : Will the Minister of Railways be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the train between Tezpur and Rangiya takes over 13 hours ;